Greenlawns School - Worli

Final Examination - 2015 - 2016

कक्षा :- आठवीं

विषय :- हिंदी

पूर्णांक :- 80

दिनांक :- 23.02.16

समय :- 2½ घण्टे

सूचना :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

विभाग - अ (अंक - ४०)

भाषा - विभाग

प्रश्न 1) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर २५० शब्दों में निबंध लिखिए :- (15)

i. ' आज की युवा पीढ़ी फेसबुक की दीवानी होती जा रही है । ' इस कथन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

ii. ' किसी पर्वतीय स्थल की यात्रा ' का रोमांचकारी वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

iii. ' एक फूल की आत्मकथा ' लिखिए ।

iv. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित लोकोक्ति हो :-

" बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताय । "

v. नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए :-

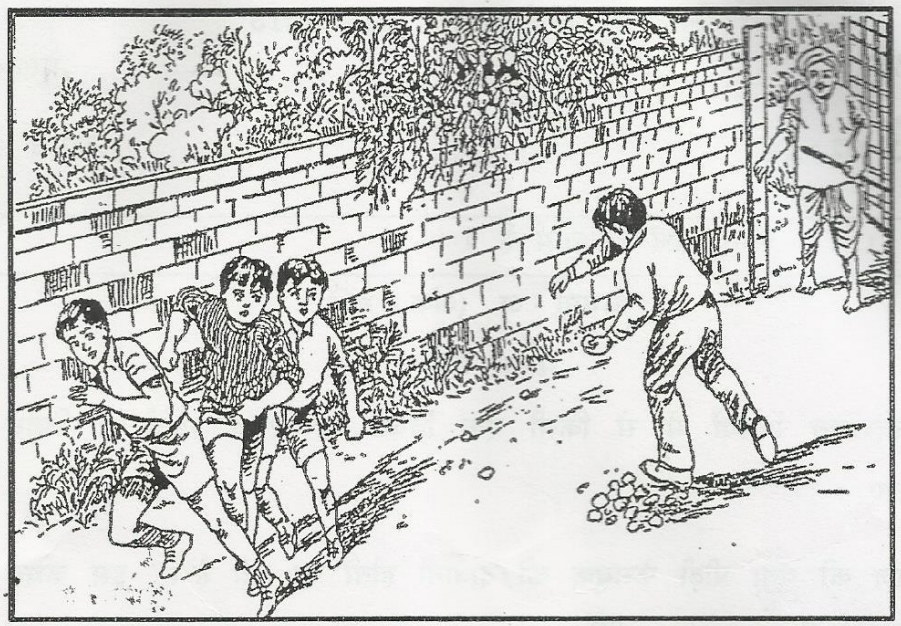

प्रश्न 2) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में पत्र लिखिए :- (7)
(लिफाफा आवश्यक)

i. ' मोबाईल फ़ोन खरीदने के लिए हठ करनेवाले अपने छोटे भाई को मोबाइल फोन के लाभ और हानियाँ बताते हुए पत्र लिखिए ।

अथवा

ii. आपकी कक्षा की अनुशासनहीनता एवं अभद्र व्यवहार के कारण आपकी प्रधानाचार्या आपकी कक्षा से बहुत नाराज़ हैं । आप सारी कक्षा की ओर से किए गए दुर्व्यवहार की क्षमा माँगते हुए एक पत्र लिखिए ।

प्रश्न 3) नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :- (10)

एक कुएँ में एक मेंढक रहता था । एक बार समुद्र का एक मेंढक कुएँ में आ पहुँचा तो कुएँ के मेंढक ने उसका हालचाल , अता - पता पूछा । जब उसे ज्ञात हुआ कि वह मेंढक समुद्र में रहता है और समुद्र बहुत बड़ा होता है तो उसने अपने कुएँ के पानी में एक छोटा - सा चक्कर

लगाकर उस समुद्र के मेंढक से पूछा कि क्या समुद्र इतना बड़ा होता है? कुएँ के मेंढक ने तो कभी समुद्र देखा ही नहीं था। समुद्र के मेंढक ने उसे बताया कि इससे भी बड़ा होता है। कुएँ का मेंढक चक्कर बड़ा करता गया और अंत में उसने कुएँ की दीवार के सहारे - सहारे आखिरी चक्कर लगाकर पूछा - " क्या इतना बड़ा है तेरा समुद्र? " इस पर समुद्र के मेंढक ने कहा - " इससे भी बहुत बड़ा। " अब तो कुएँ के मेंढक को क्रोध ही आ गया। कुएँ के अतिरिक्त उसने बाहर की दुनिया तो देखी ही नहीं थी। उसने कह दिया - " जा तू झूठ बोलता है। कुएँ से बड़ा कुछ होता ही नहीं। समुद्र भी कुछ नहीं होता है, तू बकता है। "

कुएँ के मेंढक वाली कथा इस प्रसंग में चरितार्थ होती है कि जितना अध्ययन होगा उतना अपने अज्ञान का आभास होगा। आज जीवन में पग - पग पर हमें ऐसे कुएँ के मेंढक मिल जायेंगे, जो केवल यही मानकर बैठे हैं कि जितना वे जानते हैं, उसी का नाम ज्ञान है, उसके इधर - उधर और बाहर कुछ भी ज्ञान नहीं है। लेकिन, सत्य तो यह है कि सागर की भाँति ज्ञान की भी कोई सीमा नहीं है। अपने ज्ञानी होने के अज्ञानमय भ्रम को यदि तोड़ना हो तो अधिक से अधिक अध्ययन करना आवश्यक है। जितना अधिक अध्ययन किया जाएगा, भ्रम टूटेगा और ऐसा आभास होगा कि अभी तो कुछ जानना और पढ़ना शेष है।

अध्ययन के विभाग भी तो अनेक हैं। विज्ञान, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, धर्म, दर्शन, साहित्य आदि ऐसे विभाग हैं जिनके एक भी उपविभाग में व्यक्ति सम्पूर्णता प्राप्त नहीं कर सकता तो अनन्त विभागों में सम्पूर्ण होने का प्रश्न ही कहाँ उठता है। हाँ, इतना अवश्य निश्चित है कि अधिकाधिक अध्ययन करते रहने से एक मानसिक परितोष, आनंद और शांति अवश्य प्राप्त होती है। उसके आगे और अध्ययन करने की जिज्ञासा भी उत्पन्न होती है। अधिक अध्ययन करने से मनुष्य के हृदय की संकीर्णता समाप्त हो जाती है तथा उसका दृष्टिकोण उदार होता जाता है। सतत

अध्ययनशीलता और दृष्टि की उदारता शनैः शनैः व्यक्ति को पूर्णता और पवित्रता की ओर ले जाती है।

सतत अध्ययन एक ओर नई दिशाएँ देता है तो दूसरी ओर पुरानी मान्यताएँ दूर कर नई स्वस्थ मान्यताओं की स्थापना में भी सहायक होता है। उदाहरणार्थ भारत में बैठकर हम पश्चिम अथवा अन्य किसी समाज व राष्ट्र की सभ्यता की निंदा करते रहते हैं। लेकिन जब उसी सभ्यता को स्वयं आँखों से देखते अथवा उसके विषय में विस्तार से पढ़ते हैं, तो हमारी मान्यता बदल भी जाती है।

सतत अध्ययन मनुष्य की आंतरिक सत्प्रवृत्तियों को विकसित करता है, शारीरिक, मानसिक और आत्मिक उन्नति द्वारा मनुष्य की पाशविक प्रवृत्तियों को दूर कर उसे शुद्ध और पवित्र बनाता है; मनुष्य को सच्चे अर्थों में मनुष्यता की प्राप्ति कराता है।

प्रश्न :-

i. कुएँ के मेंढक ने समुद्र की विशालता का अनुमान किस प्रकार लगाया और क्यों ? (2)

ii. कुएँ के मेंढक को क्रोध कब और क्यों आया ? (2)

iii. अपने ज्ञानी होने के भ्रम को कैसे तोड़ा जा सकता है ? (2)

iv. अधिकाधिक अध्ययन से क्या लाभ होते हैं ? (2)

v. इस गद्यांश से आपको क्या सीख मिली ? (2)

प्रश्न 4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :- (8)

i. निम्नलिखित शब्दों में से किसी १ के २ पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (1)

1. बुद्धि 2. प्रधान

ii. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- (1)

1. थोक 2. परकीय

iii. निम्न शब्दों के विशेषण शब्द लिखिए :- (1)

1. उपज 2. क्रिया

iv. निम्न शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाइए :- (1)

1. प्रतिपादित 2. नीचा

v. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :- (1)

1. तीन - तेरह करना - 2. छाती पर पत्थर रखना -

vi. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :- (3)

1. साधु जंगल में भटकते हुए एक ठाकुर से मिला ।
(लिंग परिवर्तन कर वाक्य पुनः लिखो ।)
2. वह आटा पिसाने चक्की पर गया ।
(वाक्य शुद्ध कीजिए ।)
3. उस व्यक्ति ने एक सुनसान जगह पर जाकर अपनी झोली खोली ।
(वाक्य भविष्यत् काल में बदलिए ।)

विभाग - ब (अंक - ४०)

साहित्य - विभाग (गद्य - विभाग)

प्रश्न 5) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (15)

i. प्रेम चोपड़ा के द्वारा खरीदे गए रोबोट का वर्णन कीजिए ।

ii. तीसरी पीढ़ी में किसान और ज़मींदार के पोतों का दुखद अंत किस प्रकार हुआ ?

iii. जोज़फ पियरे के काम में किस प्रकार सहायता करता था ? इससे उसके कौन - से गुणों की जानकारी मिलती है ?

iv. लेखक को अपने द्वारा किए गए कौन - से अन्याय की , कब याद आई ? उसे उस अन्याय की क्या सज़ा मिली ?

v. पुलिस ने प्रेम चोपड़ा को झबेली ब्रदर्स के यहाँ चोरी के आरोप में कैसे पकड़ा ?

प्रश्न 6) निम्नलिखित वाक्य किसने - किससे और क्यों कहा लिखिए :- (6)

i. " आपका यह आदेश तो मैं हरगिज़ नहीं मानूँगा । "

ii. " लेकिन क्यों नहीं बता सकोगे ? "

iii. " क्या कर रहे हो ? "

प्रश्न 7) शब्दार्थ लिखिए :- (4)

1. हेकड़ी -
2. कसूरवार -
3. धृष्ट -
4. स्तंभित -
5. मुआयना -
6. शेखी बघारना -
7. नितांत -
8. तिरस्कार -

पद्य - विभाग

प्रश्न 8) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

1. " पंचवटी " इस कविता का केंद्रीय भाव लिखिए । (3)
2. " पंचवटी " कविता के कवि का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए । (3)

प्रश्न 9) निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भसहित भावार्थ लिखिए :- (5)

आँखों के आगे हरियाली रहती है हर घड़ी यहाँ
जहाँ - तहाँ झाड़ी में झिरती है झरनों की झड़ी यहाँ ।
वन की एक - एक हिमकणिका जैसी सरस और शुचि है,
क्या सौ - सौ नागरिक जनों की वैसी विमल रम्य रुचि है ?

प्रश्न 10) अ) शब्दार्थ लिखिए :- (2)

1. तुहिन
2. विमल

3. अवनि 4. तृण

ब) वाक्य बनाइए :- (2)

1. आत्मीया 2. स्वच्छंद

---------- स मा प्त ----------